स्वतंत्रता की उड़ान

अतीरा दीवान
कक्षा: सप्तम्, वर्ग : ख

पक्षी की भाँति उड़ता है,
हमारा देश महान।
पिंजरे में मत करो कैद,
भरने दो उड़ान ।

सन्१९४७ में स्वतन्त्र हुआ,
मिली नई पहचान।
कर अंग्रेजों को नष्ट-भ्रष्ट,
लौट आया अपना मान ।

विज्ञान में भी भरी हमने,
एक नई उड़ान।
अंतरिक्ष की दुनिया में,
बनाया अपना नाम ।

चाहेवो क्रिकेट हो,
या हो ओलम्पिक का मैदान।
स्वर्णपदक पाकर हमने,
बढ़ाई अपनी शान।

आज भारत माता को मिली है,
अपनी एक पहचान।
झंडा ऊँचा रहे हमारा,
है हमारा देश महान ।

Vashita Rungta
IGCSE 2